[illegible] गति ध [illegible] सयानं [illegible] सवीनक्ष [illegible] नं [illegible]

[illegible] नं के नमि न [illegible] यूबायू [illegible] निका [illegible]

[illegible] नमि [illegible] वं [illegible] धूनं [illegible]

[illegible] नविला [illegible] नमा [illegible]

[illegible] नक्ष [illegible] ओका [illegible] नमा [illegible] ना [illegible]

[illegible] विना [illegible] नवि [illegible] विमम [illegible]

॥ ४ ॥ लकानया ॥ वलवन्कविर्जेव न्कदुपथ कुनायं पकाना
यू कार्यसिद्धि इ यू अर्थवृद्धि इ या ॥ ५ ॥ गकानया ॥ अम्बदि
थौ य इ यू ॥ गुरुवद्धिम विलया ॥ नेघाग इ यू संपति ॥ कान्कि वन्क
इ यू ॥ ६ ॥ थकानया ॥ मनतार अर्थसिद्धि इ यू ॐ नघिानय
काउँ सिद्धि इ यू ॥ ७ ॥ दकानया ॥ दानगाल सारावतिय अर्थला

AS. ... NOS 525

ह इ यू विपूलन[illegible] दु वियू ॥ ८ ॥ धकानया ॥ धनलारु इ यू
ॐ नघिन्कन पकाका यें वीसिद्धि इ यू ॥ ९ ॥ नकानया ॥ नवद्रव
इ यू कदकथ इ यू रुयंदयू ॐ नघिन्कन पकाका यें ॥ वृद्धिम
दु ॥ १० ॥ पकानया ॥ रुयकन ॥ वंधन इ यू ॥ [illegible] अपघात इ यू ग
वयवद्गा यू ॥ पापकर्म्मस ॥ नयवद्रु यू अर्थनास इ यू ॥ दूरव इ यू

॥२१॥ रुकार या॥ कार्य सहल ह्युयू, गाकार कार्य या हन लाय्‌द
यू, दिन प्रति धन ला रह्यु॥ २२॥ वकार या॥ वंथ्व नह्युयू, दुर
ना यू, थ्व थ नास ह्यू, अवांग्यम ह्युयुध्यापि वि पार युछा यू
॥२३॥ रकार या॥ ज्ञमा ताय्‌ या प्रताव न, समन्त कार्य वं सिद्धि ह् १
यू, रव्यम्‌ माला, कल्या ण ह्युयू॥ २४॥ मकार या॥ कार्य नास ह्

यू, गुरु मान स नं, ह्युरु माया स नं, ठ कार्य दुयु॥२५॥ य
कार या॥ ज्ञु पनं या दक या कार्य सिद्धि ह्यू, मन नाना चिन्तन
या का कार्य सिद्धि ह्यू॥२६॥ नकार या॥ सोमप छायू, वाय
न्हं क छा यू कार वलत कल प्र वाव यमद्वा॥२७॥ लकार या॥ ला
रह्यु, मूख सा ताय्‌ या, थ्वल ह्युयू, ड वा सन्तु कार य ह्यूयू,

मिव्रलार ह्यू॥१८॥ यकानया॥ कार्यनासह्यू॥ स्युथा॥ ग ह्वास्य॥
काउनिलथ ह्यू॥ ऊनाघिकनयथकाकार्यसिद्धमदू॥१९॥ ग
कानया॥ न्यअकदय॥ कार्यनिलर्थ ह्यू॥ उद्धुगाघिनोह्वायू॥ ऊँ
नघिन्कनयथकाकार्यसिद्धमदू॥२०॥ यकानया॥ गानेनिनसि
द्धि ह्यू॥ स्वकयद्रवलार ह्यू॥ नमयदार्थसं॥ सिद्धि ह्यू

॥२१॥ सकानया॥ स्कीलार॥ दाउनला॥ पकुनार॥ कल्यानव
द्धिसाराज्यसिद्धि ह्यू॥२२॥ दकानया॥ ज्यायिदविह्यू॥ सर्व
दाकान॥ मूखिलायकोमावद्धि॥ निलागह्यू॥ सर्वदाकानेस
खिह्यू॥२३॥ यकानया॥ ज्यथकिनह्यू॥ गलिवथमाद्वाप
धुया कूयाकार्ययागसर्व॥ लिथवश्वनह्यू॥२४॥ सिद्धि ह्य स

र्वदकार्य॥ लस्यंगवसदानन॥ ६॥ ग्यनयाक्रियाम ब्वासर्यंवयन
युथ्य॥ ६५॥ ॐगिह्मनवर्नु ञरु॥ धागपविक्वासमा यम॥ ६७॥
कुनमो॥ ६८॥ लिचायड्व्वासमसोमुनिरूवय॥ ६९॥ मातिक्वनानाहन्या
स॥ व्वासनानित्यवृद्धिनान ७० ग्यावनापकल्यानं॥ सर्वदर्श्वशुद्धि
गी॥ व्वासतिसिद्धिदय कजन्वनक्वयव्वाहलाहल॥ [illegible] लग

स्यानंधस्योगायाहलो॥ ७२॥ ॐकानया॥ ञ्ज्यहृयू॥ थकनायथदल
यु॥ स्रीलारुयकुवारु॥ लिंथहरुहृयु॥ ७३॥ ॐकानया॥ ॐभकहृ
यसनोयहृद ध ननासहृयू॥ ॐयालहृयु॥ रुयस्ग र्थुनदह्यू॥
कुमावृद्धिस्वसिद्धयू॥ ७४॥ ॐकानया॥ लक्ष्मीवृद्धि धनलारुयरु
नारु॥ विद्यावारु॥ दयूव॥ सिद्धिहृयू समनफुका॥ ७५॥ ॐकानया॥ म

र्व कार्य वं नारु दुयू॥ मित्र याकं वंव काकार्य। सिद्धि समागम दुयू॥
॥ उ कानया॥ ए यं क लधिंनं न वं याव कार्य॥ प्रतिष्ठा याङ्गन
अ रा यमा नयाङ्गन॥ सर्व कार्य वं। सू सिद्धि दुयू॥ मित्र समागम दुयू॥
ङ कानया॥ ग्य क सं नाय दुयू॥ मङ्ग रं नया॥ मंल यमदु४दु४ल लाय्॥
का र्ड निरर्थ॥ ए यंकव॥ वध्यन दुयू॥ ॥ ग कानया॥ सिद्धि दुयू॥

अलाँग्य दुयू॥ संपद लाय्॥ थिं न्ह नव पकाकार्य॥ सिद्धि दुयू॥ ॥
ग कानया॥ क घ दुयू॥ अर्थ नाम दुयू॥ वं धूमित्र वा। विलाव दुयू॥
मसाङ गल दुयू॥ ॥ ङ कानया॥ सिद्धि दुयू॥ ग्व मित्र समागम दुयं॥
क ल्या न दु विल॥ ना क नुमानं याय्॥ ॥ ङ कालया॥ पव ग्याधि दुयू॥
थिं न ल वा कार्य॥ अपर्लि सं दुयू॥ छ यासद यू॥ ङ ध्वनस दुयू॥

॥ नकारया ॥ सिद्धि इयू ॥ पूर्नाग इयू ॥ मूषदयू ॥ कल्यान
दृष्टियू ॥ धनमहरित्याग्नि गमनदृष्टी ॥ १२ ॥ एकालया ॥ अर्थ
लाभइयू ॥ कलदवद्धि इयू ॥ गउलोकओथिलाध इयू ॥ धनम
इश्याम्रेत्वामद्रु ॥ १३ ॥ अकारया ॥ अर्थलाभइयू ॥ मन नवि
गलपाका कार्य वेसिधि इयू ॥ १४ ॥ ऊकालया ॥ अर्थवानि इयू ॥

ॐ नविगनवका कार्यवसिद्धिम इयू ॥ १५ ॥ ऊकारया ॥ का ॥ ना
यदयू ॥ ना नागमकदयू ॥ मतिस पापविद्धि इयू ॥ १७ ॥ ऋका
लया ॥ धर्य वियविसन नमनाम्रूषदयूव ॥ नित्यकल्यान
इयूमक्रमालोगय इयू ॥ १८ ॥ सूरसमस्त्य ॥ ॥

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible] ॥ ❀ ॥ [illegible] ॥ न

न था न मि [illegible] ॥ [illegible] ॥ ❀

आशा सफू कुथि
ASHA ARCHIVES
528

[illegible]

रक्षा मूर्धा मिषु मू बा मि क्ष ब द द द ग ग [illegible] लि सि बी रू रू क्षा

क्षा ॥ ❀ ॥ रथ [illegible] गा नि ब का न ह दा न न न न पा ला ॥ दे न अ ब पु

[illegible] ॥ ❀ [illegible] न नीक बा हि बा न न न मि घा ॥ [illegible]

न बा स्व [illegible] म ग म गा [illegible] गा [illegible] ॥ [illegible] बा

[illegible] म नमं ग न ॥ ❀ ॥ [illegible] न अ ब ब न प [illegible] मू ब क

बी कि न ब [illegible]

१दमीग्वमीसखनायवालान्यिनसिद्धिमनूआ [illegible] यमका ओविम यमक
१यालम्बासिधुमूखासिगवंड्र [illegible] गधङ्गवना [illegible] येमन्न्आ गः॥ लनवं मान
१कामूकायाकानिकाद वियकसदंसंससूवज [illegible] गीनिदम्नबुम्यानि
ना कें मालाभं ल्युमसायिद रु गरु गंसालागूनूआ ग्म॥ गा त नयाय
१दनिकेंनलसिद्यवादिकींद निमींग्र लङ्गुम्नुसिलागूनूमूनूगम लखव

ड क वर्षसिद्धिमनूआ ग्म॥ कठार्यं॥१दमंग्वमंमूजगाओवाया लुयिनकीमू
कम्ब ग्म॥ यिकनवृय॥१गनूकिवाछियिद्रूकिवाथिसिद्धिमनूआ ग्म॥ यिस्यं
१कुक्रजाम्नमागाजाखसिद्धिमनूआ ग्म॥ यिस्यं॥१स्लाद्दूमारुक्सदहिविम
नूञ्ज ग्म॥ भायान्यमनूयचिक [illegible] ङ्गिनमलनवाने [illegible] धिमनूआ ग्म॥ खन यां
१पूवयक्किउगदथिरेंलरेंनूकाजगांसिंधिसमूवारु नाय नूकानूनिजाय
गरु

सिंद्दामैग्र गरु श्रूग्य॥सावाविक्का॥२७ यआनिमा लंगिहा रु गस्मकागरु
श्रूग्य॥मिया दूमयाग॥२८दंदा॥ विङ्सं काद्ध कानिका ड्यानादीं कव गस्मा ला
गरु श्रूग्य॥ तानुयाया॥२ सिंविगरु श्रूग्य नाउभिलायउभिसाभाल्लरु वानि
द्मभिभाक्षाहमज्ञायथानिभाल्ला वाज्ञा यछुगिहुटि वरक विक्कसिवाभाल्लाज्ञगग
भाला॥लगथर्न॥२विसिभ्रनादिदयमनेलद्दि, विभैनायाकि, विमनामारु,
सुगनाम

विभैनामाद्दि, सिसल, याङ्गुग, गिकुद्दि याम ने लद्दि, कूर्वैना याब्लुआ नै नि,
द्दायाश्रूदकाल, याल रखक, श्रूसकगा, विङ्दंगाल सेरुंउ हा, गद्दिकाग
ल, थाजाग, थायमाल, छ्का माव, सासम्र, ड, श्लयि नैग्र हं, मिंगिना, पैं ध्रेकं, थाथ
नि, श्रयानि, लींसूलु, थायानि, विंद्भवा, क्रुदद्दा, नाउा वासू, क्कयुं कादउ गाद्धा
द्दंयदिश्रूनत, विङ्क्रु श्रूनग, लगथिगि, ह्यथिगि, हा वाउा, लगउा, श्रनवाडा,

कमवाअ॰ दूगाबिनि॰ थंटजवा॰ मालमया॰ वा॰ जमना॰ संबनि॰ हखनि॰ धव
नि॰ सागलम॰ नाकायाम॰ खायाथिया॰ विउंया॰ दाना॰ नलसिंघ॰ रकं
लअ॰ स्कादूमदि॰ यानदिनि॰ मासामन॰ गारुदिया॰ ॥ हतगनामयान॰
नबयान॥ स्याकयान॥ ॥ हनयनक॰ गधरू रू॰ उयगधरू रू॰ साकमसाक॰ नया
या॰ कोयसंअयमालगूरू ज्ञगम॥ थियानयमहगगयाम॥ हकुनमज्ञाधगूरुका॰

यलयननाउन॰ यलयनहनि॰ विघादअय्रभग्वनि॰ यमकम॰ थसकना॰ आन
उय्रआन॰ मूयसानि॰ ज्ञाउनहसानि॰ मघाकअकन॰ सिनाकाबीमासघाकसं॰
गूरुसगनिभनाहगनि॰ हूलमीन्र॰ ङंग्वयाया सिद्धीगूरूज्ञगम॥ सग्यामउनीयान
धययान॥ स्वर्द संखिसिंकाथ॰ कानिकाआना॰ सीप्रवनखाता॰ सिद्धिगूरूज्ञगम॰
गालनयांय॥ ॐनम॰ ज्ञदगूरुका॰ यायावागिलवान॰ हूकवान॰ बुजवान॰ ज्ञगि

निवानमकदसनकामान॥मघाकल॥ना॥दुवासाइकि॥धाउकल॥ग्रन्स
गनि॥मवारगनि॥रूनूमनए॥॰॰साबाउ॥सिद्धिगून्ह्वआ गम्ह॥सगनामुयाग
नूयप्राट॥कामू कायाकानिका दवि॥यकसिनि॥दकसिनि॥जूकाया
निदुम्हवृज जागिनि॥हसवक्का यनि॥र्नआक॥मादामव्नू॥दारूनम्हाल
सिद्धिगून्ह्वआग्म॥यकसिनियानालनयाय॥२ॐ नमश्रीगुरूश्राह्म॥कुरु

१ ओसे गाकिंसे गाहूखिवाधजलखव ऊर्द याथिनाभाकिना॥ऊाभारिद्य
ऊाभारिवकनवर्मेथानखन्दभाकिनागश्चनकि॥नसभातिधिध
गुरूश्राह्म॥थ्यवमु भांत्रा॥रिकन चन ख्वानसथ्वसानासह्र
नासयाय॥थयश॥नाऊाभ्रजाभाति॥गुरु॥श्रीनम॥सेविसूत्राग्म
सिमा माय पचक्ष्रि॥ ह्र मादि क्रुन पसमूजा नि ६० वादा॥ऊसगयाग॥ सप्तस्वयद

श्रीं नम शिवाय नम आग्या ॥ ह्यारिए सिघ राडं कामुंकामूकी सूनु कीउ यम
मा शिवा शिवाय नमकी आग्या ॥ आरम्भ यवानन हिगयासथामबद्दसि ॥
श्रीगुरूवेनमः ॥ ॐ नमः ॥ भगवते वासुदेवाय ब्रह्म यिस्वलउवाच ॥ विष्णु
पंजर नकं दिव्यं सर्वदुष्ट निवारनं उग्रतजां महाविर्यां सर्वसत्रु निकृन्त
नं ॥१॥ त्रिपुरं दह्यमानस्य हरस्य ब्रह्मना हतं तदहं संप्रवक्षामी आत्मान

क्षेउ सदा हरिग ॥२॥ पादानक्षं सदा गोविन्द जंघउ गोबिक्रमश्चउ त्रीमुकेः
सवानक्ष कथ्यीचैव जनार्दन ॥३॥ नाभाउ भूचू नामक्ष गुण्हउ वामनस्तथा
उदरं पद्मनाभश्च हृदियं श्रीवत्सकउ ॥४॥ वाममुखाननानाविष्णु दक्षिनंम
हा मधूसुदन बाहु र्यो वासुदेवश्च हृदयं च जनार्दन ॥५॥ कण्ठं नक्षेउ वाराह
कृष्णवमुखं मनुना ॥ माधवा कर्णं तु धान हृषिकेशञ्च नासिकं ॥६॥ नेत्रे